

Q.1) भारत में राज्यपाल के कार्यालय के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

1. किसी राज्य के राज्यपाल का कार्यालय केंद्र सरकार के अधीन रोजगार नहीं है।
2. संविधान के अनुसार, राज्यपाल को, उस राज्य के लिए, एक बाहरी व्यक्ति होना चाहिए, जहां उसे नियुक्त किया गया है।
3. राष्ट्रपति द्वारा किसी भी समय राज्यपाल को हटाया जा सकता है।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

- a) 1 और 2
- b) 2 और 3
- c) 1 और 3
- d) उपरोक्त सभी

Q.1) Solution (c)

कथन 1	कथन 2	कथन 3
सत्य	असत्य	सत्य
जैसा कि 1979 में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा अधिनिर्णय दिया गया था कि, किसी राज्य के राज्यपाल का कार्यालय केंद्र सरकार के अधीन रोजगार नहीं है।	विकसित किए गए कन्वेंशनों के अनुसार, राज्यपाल को उस राज्य के लिए, बाहरी व्यक्ति होना चाहिए जहां उसे नियुक्त किया गया है।	राज्यपाल के पास कार्यकाल की कोई सुरक्षा नहीं होती है और न ही कोई निश्चित कार्यकाल होता है। उसे किसी भी समय राष्ट्रपति द्वारा हटाया जा सकता है।

Q.2) राज्यपाल की शक्तियों और कार्यों के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

1. वह राज्य लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष और सदस्यों को नियुक्त करता है और हटाता है।
2. वह राज्य में विश्वविद्यालयों के कुलपतियों की नियुक्ति करता है।
3. वह चुनाव आयोग के परामर्श से राज्य विधायिका के सदस्यों की अयोग्यता के प्रश्न पर निर्णय लेता है।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

- a) 1 और 2
- b) 2 और 3
- c) 1 और 3
- d) उपरोक्त सभी

Q.2) Solution (b)

कथन 1	कथन 2	कथन 3
असत्य	सत्य	सत्य
राज्यपाल राज्य लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष और सदस्यों की नियुक्ति करता है। हालांकि, उन्हें केवल राष्ट्रपति द्वारा हटाया जा सकता है, राज्यपाल द्वारा नहीं।	वह राज्य में विश्वविद्यालयों के चांसलर के रूप में कार्य करते हैं। वह राज्य में विश्वविद्यालयों के कुलपतियों की नियुक्ति भी करता है।	वह चुनाव आयोग के परामर्श से राज्य विधायिका के सदस्यों की अयोग्यता के प्रश्न पर निर्णय लेता है।

Q.3) निम्नलिखित में से किस मामले में, राज्यपाल के लिए राष्ट्रपति के विचारार्थ विधेयक को आरक्षित करना अनिवार्य है?

1. राज्य नीति के निर्देशक सिद्धांतों का विरोध करने वाला विधेयक।
2. राज्य उच्च न्यायालय की स्थिति को खतरे में डालने वाला विधेयक।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

- a) केवल 1
- b) केवल 2
- c) 1 और 2 दोनों
- d) न तो 1 और न ही 2

Q.3) Solution (b)

कथन 1	कथन 2
असत्य	सत्य
राज्यपाल विधेयक को आरक्षित कर सकता है, यदि वह निम्न प्रकृति का हो: (लेकिन यह अनिवार्य नहीं है) (i) अल्ट्रा-वायर्स, जो कि संविधान के प्रावधानों के विरुद्ध हो। (ii) राज्य नीति के निर्देशक सिद्धांतों का विरोधी हो। (iii) देश के बड़े हित का विरोधी हो। (iv) गंभीर राष्ट्रीय महत्व का हो। (v) संविधान के अनुच्छेद 31 ए के तहत संपत्ति के अनिवार्य अधिग्रहण से संबंधित हो।	जब राज्य विधायिका द्वारा पारित होने के बाद एक विधेयक राज्यपाल को प्रेषित किया जाता है, तो वह राष्ट्रपति के विचारार्थ विधेयक को आरक्षित कर सकता है। एक मामले में ऐसा आरक्षण अनिवार्य है, अर्थात्, जहां राज्य विधायिका द्वारा पारित विधेयक राज्य उच्च न्यायालय की स्थिति को खतरे में डालता हो।

Q.4) निम्नलिखित में से किस मामले में, राज्यपाल को, हालांकि मुख्यमंत्री के नेतृत्व वाले मंत्रिपरिषद से परामर्श करना पड़ता है, आखिरकार वह अपने विवेक से कार्य करता है?

1. मणिपुर राज्य में पहाड़ी क्षेत्रों का प्रशासन।
2. राष्ट्रपति के विचार के लिए एक विधेयक का आरक्षण।
3. हैदराबाद-कर्नाटक क्षेत्र के लिए एक अलग विकास बोर्ड की स्थापना।
4. मुख्यमंत्री की नियुक्ति, जब कार्यालय में मुख्यमंत्री की अचानक मृत्यु हो जाती है तथा कोई स्पष्ट उत्तराधिकारी नहीं होता है।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

- a) 1 और 3
- b) 1,2 और 3
- c) 2 और 4
- d) उपरोक्त सभी

Q.4) Solution (a)

कथन 1	कथन 3	कथन 2	कथन 4
सत्य	सत्य	असत्य	असत्य
कुछ विशेष उत्तरदायित्वों के मामले में, राज्यपाल को, हालांकि मुख्यमंत्री की अगुवाई में मंत्रिपरिषद से परामर्श	राज्यपाल के पास राष्ट्रपति के विचारार्थ एक विधेयक के	मुख्यमंत्री की नियुक्ति में राज्यपाल के पास	

करना पड़ता है, लेकिन अंत में, वह अपने विवेक से कार्य करता है। वे इस प्रकार हैं:	आरक्षण के मामले में संवैधानिक विवेकाधिकार है।	स्थितिजन्य विवेकाधिकार होता है, जब राज्य विधान सभा में किसी भी पार्टी के पास स्पष्ट बहुमत नहीं होता है या जब कार्यालय में मुख्यमंत्री की अचानक मृत्यु हो जाती है और कोई स्पष्ट उत्तराधिकारी नहीं होता है।
1. महाराष्ट्र- विदर्भ और मराठवाड़ा के लिए अलग-अलग विकास बोर्डों की स्थापना। 2. गुजरात-सौराष्ट्र और कच्छ के लिए अलग-अलग विकास बोर्डों की स्थापना। 3. नागालैंड- राज्य में कानून और व्यवस्था के संबंध में उस समय तक, जब तक नागा पहाड़ी-तुएन-सांग क्षेत्र में आंतरिक अशांति जारी है। 4. असम- जनजातीय क्षेत्रों के प्रशासन के संबंध में। 5. मणिपुर - राज्य में पहाड़ी क्षेत्रों के प्रशासन के बारे में। 6. सिक्किम- शांति के लिए और जनसंख्या के विभिन्न वर्गों की सामाजिक और आर्थिक उन्नति सुनिश्चित करने के लिए। 7. अरुणाचल प्रदेश- राज्य में कानून और व्यवस्था के संबंध में। 8. कर्नाटक - हैदराबाद-कर्नाटक क्षेत्र के लिए एक अलग विकास बोर्ड की स्थापना		

Q.5) राज्य मंत्रिपरिषद के संबंध में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

1. राज्य में मुख्यमंत्री सहित मंत्रियों की संख्या 12 से कम नहीं हो सकती है।
2. राज्यपाल मुख्यमंत्री की सलाह पर ही किसी मंत्री को हटा सकता है।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

- a) केवल 1
- b) केवल 2
- c) 1 और 2 दोनों
- d) न तो 1 और न ही 2

Q.5) Solution (c)

कथन 1	कथन 2
सत्य	सत्य
किसी राज्य में मंत्रियों की परिषद में मुख्यमंत्री सहित मंत्रियों की कुल संख्या, उस राज्य की विधान सभा के कुल सदस्य संख्या का 15 प्रतिशत से अधिक नहीं होगी। लेकिन, किसी राज्य में मुख्यमंत्री सहित मंत्रियों की संख्या 12. से कम नहीं होगी। यह प्रावधान 2003 के 91 वें संशोधन अधिनियम द्वारा जोड़ा गया था।	राज्यपाल मुख्यमंत्री की सलाह पर ही किसी मंत्री को हटा सकता है।

Q.6) राज्य विधान परिषद के संबंध में, निम्नलिखित में से कौन सा कथन गलत है?

1. राज्यपाल किसी राज्य में विधान परिषद का पदेन अध्यक्ष होता है।
2. राज्य विधानसभा एक विधान परिषद की संरचना को संशोधित करने के लिए अधिकृत है।
3. राष्ट्रीय आपातकाल की अवधि के दौरान विधान परिषद का कार्यकाल बढ़ाया जा सकता है।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

- 1 और 2
- 2 और 3
- 1 और 3
- उपरोक्त सभी

Q.6) Solution (d)

कथन 1	कथन 2	कथन 3
असत्य	असत्य	असत्य
प्रमुख (Chairman) का चुनाव परिषद अपने सदस्यों में से ही करती है।	परिषद की अधिकतम सदस्य संख्या विधानसभा की कुल सदस्य संख्या का एक तिहाई और न्यूनतम सदस्य संख्या 40 निश्चित की गई है हालांकि संविधान ने अधिकतम और न्यूनतम सीमा तय की है, संसद द्वारा परिषद की वास्तविक सदस्य संख्या तय की जाती है	विधान परिषद एक सतत सदन है, अर्थात् यह एक स्थायी निकाय है और विघटन के अधीन नहीं है।

Q.7) विधान सभा के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

- सभी राज्यों के लिए इसकी अधिकतम सदस्य संख्या 500 और न्यूनतम सदस्य संख्या 60 निश्चित की गई है।
- कुछ राज्यों की विधानसभाओं में कुछ सदस्यों को अप्रत्यक्ष रूप से चुना जाता है।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

- केवल 1
- केवल 2
- 1 और 2 दोनों
- न तो 1 और न ही 2

Q.7) Solution (b)

कथन 1	कथन 2
असत्य	सत्य
इसकी अधिकतम सदस्य संख्या 500 और न्यूनतम सदस्य संख्या 60 निश्चित की गई है। हालांकि, अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम और गोवा के मामले में, न्यूनतम संख्या 30 तथा मिज़ोरम और नागालैंड के मामले में, क्रमशः 40 और 46 है।	सिक्किम और नागालैंड में विधानसभाओं के कुछ सदस्य अप्रत्यक्ष रूप से चुने जाते हैं।

Q.8) निम्नलिखित में से किस स्थिति में राज्य विधायिका की सीट रिक्त घोषित की जाती है

- इसकी अनुमति के बिना तीस दिनों की अवधि के लिए सभी बैठक से सदस्य की अनुपस्थिति होने पर।
- यदि सीट के लिए चुनाव सर्वोच्च न्यायालय द्वारा शून्य घोषित किए जाने हेतु विचाराधीन है।

3. यदि सदस्य संविधान में उल्लिखित किसी भी अयोग्यता के अधीन है। नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

- 1 और 3
- 1 और 2
- केवल 3
- उपरोक्त सभी

Q.8) Solution (c)

कथन 1	कथन 2	कथन 3
असत्य	असत्य	सत्य
राज्य विधायिका का एक सदन किसी सदस्य की सीट के रिक्तीकरण की घोषणा तब कर सकता है जब वह उसकी अनुमति के बिना अपनी सभी बैठक से साठ दिनों की अवधि के लिए अनुपस्थित रहा हो।	किसी सदस्य को राज्य विधान सभा के किसी भी सदन में अपनी सीट खाली करनी पड़ती है, यदि उसका चुनाव न्यायालय द्वारा शून्य घोषित किया जाता है तथा यह तब तक नहीं किया जाता है, जब तक कि वह न्यायालय में विचाराधीन हो।	यदि राज्य विधायिका का सदस्य किसी भी अयोग्यताओं के अधीन हो जाता है, तो उसकी सीट रिक्त हो जाती है।

Q.9) निम्नलिखित में से कौन एक राज्य विधानसभा में अध्यक्ष की शक्ति / कर्तव्य नहीं है?

- वह विधानसभा के भीतर भारत के संविधान के प्रावधानों का अंतिम व्याख्याकार होता है।
- वह सदन का नेता होता है।
- वह विधानसभा की सभी समितियों के अध्यक्षों की नियुक्ति करता है तथा उनके कामकाज का पर्यवेक्षण करता है।
- वह निर्णय करता है कि कोई विधेयक धन विधेयक है या नहीं तथा इस प्रश्न पर उसका निर्णय अंतिम होता है।

Q.9) Solution (b)

कथन a	कथन c	कथन d	कथन b
सत्य	सत्य	सत्य	असत्य
अध्यक्ष के पास निम्नलिखित शक्तियां और कर्तव्य हैं: - वह अपने कार्य संचालन और उसकी कार्यवाही को विनियमित करने के लिए विधानसभा में आदेश और व्यवस्था को बनाए रखता है। यह उनकी प्राथमिक जिम्मेदारी है और इस संबंध में उनकी अंतिम शक्ति है। - वह निम्न प्रावधानों के सदन के भीतर अंतिम व्याख्याकार हैं (a) भारत के संविधान, (b) विधानसभा के कार्य संचालन की प्रक्रिया और आचरण के नियम, और (c) विधायी पूर्ववर्ती उदाहरण (legislative precedents)। - वह विधानसभा को स्थगित कर देता है या कोरम के अभाव में बैठक स्थगित कर देता है। - वह पहली बार में वोट नहीं करता है। लेकिन, वह एक बराबरी के मामले में एक निर्णायक वोट डाल सकते हैं। - वह सदन के नेता के अनुरोध पर सदन की 'गुप्त' बैठक की अनुमति दे सकता है।			मुख्यमंत्री सदन के नेता होता है।

6. वह तय करता है कि कोई विधेयक धन विधेयक है या नहीं तथा इस प्रश्न पर उसका निर्णय अंतिम होता है।
7. वह दसवीं अनुसूची के प्रावधानों के तहत दलबदल के आधार पर, विधानसभा के सदस्य की अयोग्यता के प्रश्नों का निर्णय करता है।
8. वह विधानसभा की सभी समितियों के अध्यक्षों की नियुक्ति करता है तथा उनके कामकाज का पर्यवेक्षण करता है। वह स्वयं व्यवसाय सलाहकार समिति, नियम समिति और सामान्य प्रयोजन समिति के अध्यक्ष होते हैं।

Q.10) निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

1. राज्य विधायिका के सदन का तब से ही सत्रावसान किया जा सकता है, जब उसका अनिश्चित कालीन स्थगन (adjourned sine die) घोषित कर दिया जाता है।
2. स्थगन की शक्ति सदन के पीठासीन अधिकारी के पास होती है, जबकि अनिश्चित कालीन स्थगन के लिए, यह राष्ट्रपति और सदन के पीठासीन अधिकारी, दोनों के पास होती है।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

- a) केवल 1
- b) केवल 2
- c) 1 और 2 दोनों
- d) न तो 1 और न ही 2

Q.10) Solution (d)

कथन 1	कथन 2
असत्य	असत्य
पीठासीन अधिकारी (अध्यक्ष या सभापति) सत्र का कारोबार पूरा होने पर सदन को स्थगित करने की घोषणा करता है। अगले कुछ दिनों के भीतर, राज्यपाल सत्रावसान के लिए एक अधिसूचना जारी करता है। हालाँकि, राज्यपाल सत्र में चलने वाले सदन का भी सत्रावसान कर सकता है।	एक स्थगन एक निर्दिष्ट समय के लिए बैठकों को निलंबित करता है जो घंटे, दिन या सप्ताह हो सकता है। अनिश्चित कालीन स्थगन का मतलब है कि अनिश्चित काल के लिए राज्य की विधायिका की बैठक को समाप्त करना। स्थगन के साथ-साथ अनिश्चित कालीन स्थगन की शक्ति सदन के पीठासीन अधिकारी के पास होती है।

Q.11) भाग XXI के तहत विशेष प्रावधान, निम्नलिखित में से किस राज्य के लिए प्रदान नहीं किए गए हैं?

- a) नागालैंड
- b) गोवा
- c) सिक्किम
- d) पंजाब

Q.11) Solution (d)

कथन a	कथन b	कथन c	कथन d
सत्य	सत्य	सत्य	असत्य
संविधान के भाग XXI में अनुच्छेद 371 से 371-J में बारह राज्यों अर्थात् महाराष्ट्र, गुजरात, नागालैंड, असम, मणिपुर, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, सिक्किम, मिजोरम, अरुणाचल प्रदेश, गोवा और कर्नाटक के लिए विशेष प्रावधान हैं।			

Q.12) राज्य विधानमंडल में भाषा के उपयोग के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

1. संविधान ने घोषणा की है कि राज्य विधानमंडल में कार्य संचालन के लिए केवल हिंदी या अंग्रेजी ही भाषाएँ हो सकती हैं।
2. पीठासीन अधिकारी सदस्य को अपनी मातृभाषा में सदन को संबोधित करने की अनुमति दे सकता है।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

- a) केवल 1
- b) केवल 2
- c) 1 और 2 दोनों
- d) न तो 1 और न ही 2

Q.12) Solution (b)

कथन 1	कथन 2
असत्य	सत्य
संविधान ने राज्य की आधिकारिक भाषा को या हिंदी या अंग्रेजी को घोषित किया है, जिस भाषा में राज्य की विधायिका में कार्य संचालन हो सके।	पीठासीन अधिकारी सदस्य को अपनी मातृभाषा में सदन को संबोधित करने की अनुमति दे सकता है।

Q.13) जब कोई विधेयक विधान सभा द्वारा पारित किया जाता है तथा विधान परिषद को प्रेषित किया जाता है, तो उत्तराद्ध के पास निम्नलिखित में से कौन सा विकल्प होता है?

1. यह विधानसभा द्वारा भेजे गए विधेयक को पारित कर सकता है
2. यह इसे विधानसभा में पुनर्विचार के लिए वापस भेज सकता है
3. यह विधेयक को पूरी तरह से खारिज कर सकता है
4. यह कोई कार्रवाई नहीं करता है तथा इस प्रकार, विधेयक को लंबित रख सकता है

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

- a) 1,2 और 4
- b) 1,3 और 4
- c) 1 और 2
- d) उपरोक्त सभी

Q.13) Solution (d)

कथन 1	कथन 2	कथन 3	कथन 4
सत्य	सत्य	सत्य	सत्य
जब कोई विधेयक विधान सभा द्वारा पारित किया जाता है तथा उसे विधान परिषद में प्रेषित किया जाता है, तो उत्तराद्ध के पास चार विकल्प होते हैं:			
1. यह विधानसभा द्वारा भेजे गए बिल को पारित कर सकता है (यानी, संशोधनों के बिना);			
2. यह संशोधन के साथ विधेयक को पारित कर सकता है तथा इसे पुनर्विचार के लिए विधानसभा को वापस कर सकता है;			
3. यह बिल को पूरी तरह से अस्वीकार कर सकता है; तथा			
4. यह कोई कार्रवाई नहीं करता है तथा इस प्रकार बिल को लंबित रख सकता है।			

Q.14) संविधान के तहत कुछ राज्यों में द्विसदनीय विधायिकाएं प्रदान की गई हैं। ऐसे राज्यों में दोनों सदनों के बीच गतिरोध के मामले में

- राज्यपाल द्वारा संयुक्त बैठक को बुलाया जाता है तथा बहुमत से लिया गया निर्णय, अंतिम निर्णय के रूप में लिया जाता है
- विधेयक समाप्त हो जाता है, हालांकि समान विषय पर एक नया विधेयक, संशोधन के साथ फिर से प्रवर्तित किया जा सकता है।
- निर्दिष्ट अवधि के अंतराल के बाद, विधान सभा की राय को अंतिम रूप दिया जाता है
- मामला राष्ट्रपति के समक्ष निर्णय के लिए भेजा जाता है

Q.14) Solution (c)

कथन a	कथन b	कथन c	कथन d
असत्य	असत्य	सत्य	असत्य

साधारण विधेयक पारित करने की अंतिम शक्ति विधानसभा में निहित होती है। सबसे अधिक, परिषद चार महीने की अवधि के लिए विधेयक को रोक सकती है या देरी कर सकती है - पहली बार में तीन महीने और दूसरे चरण में एक महीने के लिए।

Q.15) विधान परिषद की शक्तियों के बारे में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

- परिषद न तो बजट पर चर्चा कर सकती है और न ही, अनुदानों की मांगों पर मतदान कर सकती है।
- परिषद अविश्वास प्रस्ताव पारित करके मंत्रियों की परिषद को हटा नहीं सकती है।
- संवैधानिक संशोधन विधेयक के अनुसमर्थन में परिषद की कोई प्रभावी स्थिति नहीं है।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

- 1 और 2
- 2 और 3
- 1 और 3
- उपरोक्त सभी

Q.15) Solution (b)

कथन 1	कथन 2	कथन 3
असत्य	सत्य	सत्य

परिषद केवल बजट पर चर्चा कर सकती है लेकिन अनुदान की मांगों (जो कि विधानसभा का विशिष्ट विशेषाधिकार है) पर मतदान नहीं कर सकती है।

परिषद अविश्वास प्रस्ताव पारित करके मंत्रियों की परिषद को नहीं हटा सकती। ऐसा इसलिए है, क्योंकि मंत्रिपरिषद सामूहिक रूप से केवल विधानसभा के प्रति उत्तरदायी होती है। लेकिन, परिषद सरकार की नीतियों और गतिविधियों पर बहस और आलोचना कर सकती है।

संवैधानिक संशोधन विधेयक के अनुसमर्थन में परिषद की कोई प्रभावी स्थिति नहीं है। इस संबंध में भी, विधानसभा की इच्छा परिषद से सर्वोच्च होती है

Q.16) केंद्र शासित प्रदेशों में प्रशासन के संबंध में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

1. केंद्र शासित प्रदेश के प्रशासक का पद राज्य के राज्यपाल के समान होता है।
2. संसद किसी राज्य के राज्यपाल को आसन्न संघ क्षेत्र के प्रशासक के रूप में नियुक्त कर सकती है।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

- a) केवल 1
- b) केवल 2
- c) 1 और 2 दोनों
- d) न तो 1 और न ही 2

Q. 16) Solution (d)

कथन 1	कथन 2
असत्य	असत्य
प्रत्येक केंद्र शासित प्रदेश को उनके द्वारा नियुक्त प्रशासक के माध्यम से राष्ट्रपति द्वारा प्रशासित किया जाता है। केंद्र शासित प्रदेश का एक प्रशासक राष्ट्रपति का एजेंट होता है तथा राज्यपाल की तरह राज्य का प्रमुख नहीं होता है।	राष्ट्रपति किसी राज्य के राज्यपाल को आसन्न केंद्र शासित प्रदेश का प्रशासक नियुक्त कर सकता है। उस क्षमता में, राज्यपाल को अपने मंत्रिपरिषद से स्वतंत्र रूप से कार्य करना होता है।

Q.17) निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

1. संसद केंद्र शासित प्रदेशों के लिए तीनों सूचियों के किसी भी विषय पर कानून बना सकती है।
2. संघ शासित प्रदेशों के प्रशासन के लिए संवैधानिक प्रावधान अधिग्रहित प्रदेशों पर भी लागू होते हैं।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

- a) केवल 1
- b) केवल 2
- c) 1 और 2 दोनों
- d) न तो 1 और न ही 2

Q.17) Solution (c)

कथन 1	कथन 2
सत्य	सत्य
केंद्र शासित प्रदेशों के लिए संसद तीनों सूचियों (राज्य सूची सहित) के किसी भी विषय पर कानून बना सकती है। संसद की यह शक्ति जम्मू और कश्मीर, पुडुचेरी और दिल्ली तक विस्तृत है, जिनकी अपनी स्थानीय विधायिकाएं हैं।	संविधान में अधिग्रहित क्षेत्रों के प्रशासन के लिए कोई अलग प्रावधान नहीं है। लेकिन, केंद्र शासित प्रदेशों के प्रशासन के लिए संवैधानिक प्रावधान अधिग्रहीत प्रदेशों पर भी लागू होते हैं।

Q.18) पुडुचेरी के मामले में, भारत के राष्ट्रपति केवल नियम बनाकर कानून बना सकते हैं

- a) जब संसद इस आशय का प्रस्ताव पारित करती है
- b) जब विधानसभा उस प्रभाव का प्रस्ताव पारित करती है
- c) जब विधानसभा को निलंबित या भंग कर दिया जाता है
- d) जब उपराज्यपाल उसे करने का अनुरोध करते हैं

Q.18) Solution (c)

राष्ट्रपति अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, लक्षद्वीप, दादरा और नगर हवेली और दमन और दीव की शांति, प्रगति और अच्छी सरकार के लिए नियम बना सकते हैं। पुडुचेरी के मामले में भी, राष्ट्रपति नियम बनाकर कानून बना सकते हैं, लेकिन केवल तभी जब विधानसभा निलंबित या भंग कर दी गयी हो।

Q.19) विधान परिषदों के संबंध में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

1. विधान परिषदों के निर्माण के लिए, संसद में विशेष बहुमत की आवश्यकता होती है।
2. संसद द्वारा विधान परिषदों का निर्माण, संविधान के अनुच्छेद 368 के संशोधन के रूप में नहीं माना जाना चाहिए

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

- a) केवल 1
- b) केवल 2
- c) 1 और 2 दोनों
- d) न तो 1 और न ही 2

Q.19) Solution (b)

कथन 1	कथन 2
असत्य	सत्य
संसद एक विधान परिषद (जहां यह पहले से मौजूद है) को समाप्त कर सकती है या इसे सृजित कर सकती है (जहां इसका अस्तित्व नहीं है), यदि संबंधित राज्य का विधान सभा उस प्रभाव का प्रस्ताव पारित करती है। इस तरह के एक विशिष्ट प्रस्ताव को राज्य विधानसभा द्वारा विशेष बहुमत से पारित किया जाना चाहिए, अर्थात् विधानसभा की कुल सदस्यता का बहुमत तथा विधानसभा के वर्तमान उपस्थित और मतदान करने वाले न्यूनतम दो-तिहाई सदस्यों का बहुमत। संसद के इस अधिनियम को अनुच्छेद 368 के प्रयोजनों के लिए संविधान के संशोधन के रूप में नहीं समझा जाना चाहिए तथा इसे विधान के एक साधारण विधेयक की तरह पारित किया जाता है (अर्थात्, साधारण बहुमत द्वारा)।	

Q.20) निम्नलिखित में से किस आयोग ने सुझाव दिया था कि "राष्ट्रपति के प्रसादपर्यन्त के दौरान" वाक्यांश को संविधान से हटा दिया जाना चाहिए?

- a) सरकारिया आयोग
- b) पूँछी आयोग
- c) वेंकटचलिया आयोग
- d) प्रशासनिक सुधार आयोग

Q.20) Solution (b)

पूँछी आयोग ने सिफारिश की कि- गवर्नर के पद के लिए, प्रसादपर्यंत सिद्धांत समाप्त होना चाहिए तथा इसे संविधान से हटा दिया जाना चाहिए। राज्यपाल को केंद्र सरकार की मर्जी से नहीं हटाया जाना चाहिए। इसके बजाय, राज्यपाल को हटाने के लिए राज्य विधायिका द्वारा एक प्रस्ताव पारित होना चाहिए।

Q.21) कोर इन्वेस्टमेंट कंपनियों (CIC) के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. यह एक गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी है, जो शेयरों और प्रतिभूतियों के अधिग्रहण के कारोबार में संलग्न होती है।

2. इस समूह की कंपनियां शेयरों, बांडों, डिबेंचर, ऋण या उधार में अपने निवेश में व्यापार करती है।
3. भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) के पास किसी पंजीकृत CIC की संपत्ति का आकार 500 करोड़ रुपये से ऊपर होता है।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा गलत है / हैं?

- a) केवल 1 और 2
- b) केवल 3
- c) केवल 2 और 3
- d) केवल 1 और 3

Q.21) Solution (c)

कथन 1	कथन 2	कथन 3
सत्य	असत्य	असत्य
कोर इन्वेस्टमेंट कंपनी (CIC) एक गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी है, जो शेयरों और प्रतिभूतियों के अधिग्रहण के व्यवसाय को करती है और जो निम्नलिखित शर्तों को पूरा करती है। 1. सीआईसी, जिसे सार्वजनिक धन स्वीकार करने की अनुमति है, को अपनी शुद्ध संपत्ति का न्यूनतम 90% समूह कंपनियों के इक्विटी शेयरों, वरीयता शेयरों, बांडों, डिबेंचर, ऋण या उधार के रूप में रखना चाहिए। 2. समूह की कंपनियों में इक्विटी शेयरों में सीआईसी का निवेश उसकी शुद्ध संपत्ति का न्यूनतम 60% होना चाहिए।	समूह कंपनियों में शेयर, बॉन्ड, डिबेंचर, ऋण या ऋण में अपने निवेश में CIC व्यापार नहीं करता है, सिवाय बड़ी मात्रा में विनिवेश के उद्देश्य से। इस अवधारणा की उत्पत्ति एनबीएफसी की सुरक्षा के लिए की गई थी जो कड़े आरबीआई प्रक्रियाओं से समूह के निवेश के लिए बने हैं।	भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) के पास पंजीकृत एक कोर इन्वेस्टमेंट कंपनी की संपत्ति का आकार 100 करोड़ रुपये से अधिक होता है।

Q.22) निम्नलिखित में से कौन सा राज्य, भारत में न्याय रिपोर्ट 2019 (India Justice Report 2019) के अनुसार समग्र न्याय वितरण में बड़े-मध्यम राज्यों की सूची में सबसे ऊपर है?

- a) महाराष्ट्र
- b) केरल
- c) कर्नाटक
- d) तमिलनाडु

Q.22) Solution (a)

- टाटा ट्रस्ट्स द्वारा भारत में न्याय रिपोर्ट, 2019 को सेंटर फॉर सोशल जस्टिस, कॉमन कॉज़ और कॉमनवेल्थ ह्यूमन राइट्स इनिशिएटिव के सहयोग से जारी किया गया था।

- यह न्याय वितरण पर भारतीय राज्यों की पहली रैंकिंग है। रिपोर्ट न्याय वितरण के चार स्तंभों - पुलिस, न्यायपालिका, जेलों और कानूनी सहायता पर विभिन्न सरकारी संस्थाओं के सार्वजनिक रूप से उपलब्ध आंकड़ों पर आधारित है।
- रिपोर्ट के मुख्य निष्कर्ष:
 - महाराष्ट्र समग्र न्याय वितरण में 18 बड़े-मध्यम राज्यों की सूची में सबसे ऊपर है, इसके बाद केरल, तमिलनाडु, पंजाब और हरियाणा हैं। इस श्रेणी में झारखंड, बिहार और उत्तर प्रदेश सबसे नीचे हैं।
 - यहां तक कि सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले राज्यों ने सभी चार मापदंडों में क्षमता के आधार पर अपने प्रदर्शन में 60% से कम स्कोर किया है।
 - लगभग 23% स्वीकृत पदों के रिक्त होने के साथ देश में लगभग 18,200 न्यायाधीश हैं
 - जेल 114% से अधिक भरे हुए हैं, जहां 68% जांच, पूछताछ या ट्रायल का इंतजार कर रहे हैं।
 - मुफ्त कानूनी सहायता पर भारत का प्रति व्यक्ति व्यय 75 पैसे प्रति वर्ष है।

Q.23) निम्नलिखित राज्यों पर विचार करें:

1. अरुणाचल प्रदेश
2. मणिपुर
3. नागालैंड
4. मिजोरम

कुल वन आच्छादन के संदर्भ में, उपर्युक्त राज्यों के संदर्भ में, निम्नलिखित में से कौन सा सही घटता हुआ क्रम है?

- a) 4 - 1 - 2 - 3
- b) 4 - 1 - 3 - 2
- c) 1 - 4 - 2 - 3
- d) 1 - 4 - 3 - 2

Q.23) Solution (c)

- क्षेत्र-वार मध्य प्रदेश में देश का सबसे बड़ा वन क्षेत्र है, इसके बाद अरुणाचल प्रदेश, छत्तीसगढ़, ओडिशा और महाराष्ट्र हैं।
- कुल भौगोलिक क्षेत्र के प्रतिशत के रूप में वन कवर के संदर्भ में, शीर्ष पांच राज्य मिजोरम (85.41%), अरुणाचल प्रदेश (79.63%), मेघालय (76.33%), मणिपुर (75.46%) और नागालैंड (75.31%) हैं।
- क्षेत्रफल, मिजोरम (18,006 वर्ग किमी), अरुणाचल प्रदेश (66,688 वर्ग किमी), मेघालय (17,119 वर्ग किमी), मणिपुर (16,847 वर्ग किमी), नागालैंड (12,486 वर्ग किमी) के कुल वन क्षेत्र। इस प्रकार सही उत्तर अरुणाचल प्रदेश > मिजोरम > मणिपुर > नागालैंड है।

Q.24) हाल ही में समाचारों में देखा गया, बूगेनविले (Bougainville) क्षेत्र निम्नलिखित में से किसके अंतर्गत स्थित है?

- a) इंडोनेशिया
- b) फिलीपींस
- c) पापुआ न्यू गिनी
- d) मेडागास्कर

Q.24) Solution (c)

- बोगेनविले के लोगों ने एक जनमत संग्रह में अपना मतदान किया कि क्या उन्हें पापुआ न्यू गिनी से स्वतंत्रता चाहिए।

- राजनीतिक रूप से, बोगेनविले वर्तमान में पापुआ न्यू गिनी के भीतर एक स्वायत्त क्षेत्र है

Q.25) प्रथम टाइगर ट्रायम्फ अभ्यास के बारे में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

- यह भारत और अमेरिका के बीच एक मानवीय सहायता और आपदा राहत (HADR) अभ्यास है।
- 2019 का अभ्यास केरल के मालाबार तट पर आयोजित किया गया है।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा सही है / हैं?

- केवल 1
- केवल 2
- 1 और 2 दोनों
- न तो 1 और न ही 2

Q.25) Solution (a)

कथन 1	कथन 2
सत्य	असत्य
‘टाइगर ट्रायम्फ’ भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका की संयुक्त त्रि सेवाओं का मानवीय सहायता और आपदा राहत (HADR) अभ्यास है। अभ्यास का उद्देश्य एचएडीआर संचालन करने के लिए अंतर-क्षमता विकसित करना है।	2019 का अभ्यास आंध्र प्रदेश में विशाखापत्तनम और काकीनाडा तटों पर किया गया है।

Q.26) ‘STREAM’ के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही है।

- मल्टी-ड्रग रेसिस्टेंस तपेदिक (MDR-TB) के लिए छोटे रेजिमेंस (shortened regimens) की जांच करने वाला यह पहला बड़े पैमाने पर बहु-देशीय नैदानिक परीक्षण है।
- यह उन छात्रों के लिए डिजिटल डिवाइड को समाप्त करने का प्रयास करता है, जो अब तक डिजिटल क्रांति से अछूते रहे हैं और ज्ञान अर्थव्यवस्था की मुख्यधारा में शामिल नहीं हो पाए हैं।
- यह भारत सरकार द्वारा एक नई लॉन्च की गई ओवर द टॉप (OTT) सेवा है
- यह 24X7 आधार पर देश की लंबाई और चौड़ाई में डीटीएच (डायरेक्ट टू होम) के माध्यम से 32 उच्च गुणवत्ता वाले शैक्षिक चैनल प्रदान करता है।

Q.26) Solution (a)

STREAM मल्टी-ड्रग-रेसिस्टेंट ट्यूबरकुलोसिस (MDR-TB) के लिए छोटे रेजिमेंस (shortened regimens) की जांच करने वाला पहला बड़े पैमाने का, बहु-देशीय नैदानिक परीक्षण है। यह आरंभिक चरण में उपचार की एक ‘उत्कृष्ट प्रणाली’ के साथ एक नई दवा, बेडाक्वलाइन (bedaquiline) की प्रभावकारिता और सुरक्षा का परीक्षण करने के लिए पहले चरण III का परीक्षण भी है।

Q.27) ‘साइटोक्रोम b6f’ (Cytochrome b6f) निम्नलिखित में से किस प्रक्रिया के लिए महत्वपूर्ण है?

- प्रकाश संश्लेषण
- भस्मीकरण (pyrolysis)
- मेथेनोजेनेसिस (methanogenesis)
- इथेनॉल का सन्मिश्रण

Q.27) Solution (a)

साइटोक्रोम b6f तथाकथित प्रकाश प्रणाली I (photosystem I) और प्रकाश प्रणाली II (photosystem II) ऑक्सीकरण प्रकाश संश्लेषण की प्रतिक्रिया प्रणाली के बीच विद्युत संबंध प्रदान करता है, जो कि पादप कोशिका क्लोरोप्लास्ट के भीतर दो प्रकाश-संचालित क्लोरोफिल-प्रोटीन हैं, जो रासायनिक ऊर्जा में सूर्य के प्रकाश को परिवर्तित करते हैं। प्रोटीन कॉम्प्लेक्स, शोधकर्ताओं का कहना है, ऊर्जा भंडारण के लिए "प्रोटॉन बैटरी" के रूप में कार्य करता है।

Q.28) निम्नलिखित में से कौन सी जोड़ी सही ढंग से सुमेलित है?

समाचार में स्थान - देश

1. केशम द्वीप (Qeshm Island) - संयुक्त अरब अमीरात
2. बाकौरा (Baqoura) - जॉर्डन
3. नतान्ज (Natanz) - ईरान

सही कूट का चयन करें:

- a) 1 और 2
- b) 2 और 3
- c) 1 और 3
- d) उपरोक्त सभी

Q.28) Solution (b)

केशम द्वीप - ईरान

बाकौरा - जॉर्डन

नतान्ज - ईरान

Q.29) 'भारतीय सर्वोच्च न्यायालय बनाम सुभाष चंद्र अग्रवाल' वाद किससे संबंधित है

- a) सूचना का अधिकार
- b) संपत्ति का अधिकार
- c) संवैधानिक उपचार का अधिकार
- d) शोषण के विरुद्ध अधिकार

Q.29) Solution (a)

न्यायालय ने पाया कि मुख्य न्यायाधीश का कार्यालय सूचना के अधिकार (आरटीआई) अधिनियम के अर्थ के भीतर एक "सार्वजनिक प्राधिकरण" है क्योंकि यह अपनी न्यायिक भूमिका के अलावा कई प्रशासनिक कार्य करता है। इसलिए आयोजित की गई जानकारी तक पहुंच अधिनियम द्वारा विनियमित थी। न्यायालय ने जोर देकर कहा कि प्रस्तुत घोषणाओं और उनकी सामग्री से संबंधित जानकारी अधिनियम की धारा 2 (एफ) के अर्थ में "सूचना" है।

Q.30) 'संवैधानिक नैतिकता' (constitutional morality) के संबंध में, निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही है / हैं?

1. यह उन कन्वेंशनों और प्रोटोकॉलों को संदर्भित कर सकता है, जो निर्णय लेने को नियंत्रित करते हैं जहां संविधान विवेकाधीन शक्ति को निहित करता है या शांत है।
2. शब्द 'संवैधानिक नैतिकता' भारतीय संविधान में अच्छी तरह से परिभाषित है।

सही कथनों का चयन करें

- a) केवल 1
- b) केवल 2
- c) 1 और 2 दोनों
- d) न तो 1 और न ही 2

Q.30) Solution (a)

समकालीन उपयोग में, संवैधानिक नैतिकता एक संविधान की मूल सामग्री को संदर्भित करने के लिए प्रस्तुत की गयी है। संवैधानिक नैतिकता द्वारा शासित होना, इस दृष्टिकोण पर, किसी भी संविधान द्वारा किए जाने वाले दृढ़ नैतिक दण्ड द्वारा शासित होना है। उदाहरण के लिए, गैर-भेदभाव के सिद्धांत को अक्सर हमारी आधुनिक संवैधानिक नैतिकता का एक तत्व माना जाता है। इस अर्थ में, संवैधानिक नैतिकता एक संविधान की नैतिकता है।

संवैधानिक नैतिकता उन कन्वेंशनों और प्रोटोकॉल को संदर्भित करती है जो निर्णय लेने को नियंत्रित करती है जहां संविधान विवेकाधीन शक्ति को निहित करता है या शांत है।

कृपया ध्यान दें कि 'संवैधानिक नैतिकता' शब्द की विभिन्न परिभाषाएँ हैं। यह बहुत व्यापक शब्द है।

'संवैधानिक नैतिकता' शब्द को संविधान में परिभाषित नहीं किया गया है।

